दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 50 लाख हड़पने का मामला

5 लंदन से पढ़ाई, दादा-पिता पूर्व सांसद और भाई विधायक

8 वनडे में टीम इंडिया की जीत

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 04 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 21 जुलाई,2025

पीएम मोदी ने 5000 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

दुर्गापुर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने जनसभा में कहा कि दुर्गापुर भारत की जनशक्ति का केंद्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि दुर्गापुर न केवल इस्पात नगरी है, बल्कि भारत की श्रमशक्ति का भी एक बड़ा केंद्र है। साथ ही पीएम ने बताया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और गैस आधारित परिवहन को भी मजबूती मिलेगी। जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि ये पहल भारत को विकसित बनाने की दिशा में अहम कदम हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया आज पूरा देश एक ही लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने स्वामी शक्ति शरणानंद सरस्वती महाराज से की मुलाकात

इस दौरान उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए तीन मूल मंत्र भी दिए और कहा कि इसका रास्ता सिर्फ विकास से सशक्तिकरण, रोजगार से आत्मनिर्भरता और संवेदनशीलता से सुशासन है। इन तीन मूलमंत्रों पर काम करते हुए सरकार देश के प्रत्येक कोने तक विकास पहुंचा रही है।

दुर्गापुर और रघुनाथपुर की फैक्ट्रियों को नई तकनीक

पीएम मोदी ने बताया कि दुर्गापुर और रघुनाथपुर की फैक्ट्रियों में नई तकनीक के साथ काम हो रहा है। 1,500 करोड़ रुपये का निवेश इन इकाइयों को अपग्रेड करने में किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बनेंगे। साथ ही पश्चिम बंगाल की जनता को उन्होंने इस विकास के लिए बधाई दी।

गैस आधारित कनेक्टिविटी को बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में गैस कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। एलपीजी सिलेंडर आज हर घर तक पहुंच चुका है, और इस उपलब्धि की सराहना दुनिया भर में हुई है। 'वन नेशन, वन गैस ग्रिड' के तहत 'प्रधानमंत्री ऊर्जा योजना' को गति दी जा रही है। इसमें पश्चिम बंगाल समेत छह पूर्वी राज्यों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिससे उद्योग और परिवहन क्षेत्र में नई ऊर्जा आएगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर को माना विकास की नींव

पीएम मोदी ने बताया कि भारत के बदलते इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से दुनिया आज भारत के विकास की चर्चा कर रही है। सड़क, रेल, गैस, हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचे में हो रहा परिवर्तन 'विकसित भारत' की नींव रख रहा है। दुर्गापुर में भी इन परियोजनाओं के जरिए एक नया युग शुरू हो रहा है, जिससे लोगों की जिंदगी आसान और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

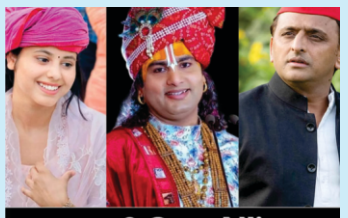

'यही सिखाते हैं अपने प्रवचन में अखिलेश पर अनिरुद्धाचार्य की टिप्पणी

अखिलेश यादव और अनिरुद्धाचार्य महाराज के बीच जुबानी विवाद पर जौनपुर की मछलीशहर की सपा सांसद प्रिया सरोज ने एक्स पर पोस्ट कर मामले का गर्मा दिया है। उन्होंने लिखा, जब एक बाबा कृष्ण जी का नाम बताने में असफल हो जाता है ।

इनका मैटर बहुत अलग है। मेरे पास इतना पैसा नहीं है। उस लड़के के पास बहुत पैसा है। इनको पैसे की आदत पड़ गई है। मेरी आखिरी ख्वाहिश यही है कि मेरा बेटा मेरे परिवार को मिलना चाहिए।

वीडियो में बोला-मृतक विकास

सीएम योगी बोलेः दो साल पहले भगवा गमछा पहन कर की आगजनी

वाराणसी,संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सावन के पावन अवसर पर कांवड़ यात्री भक्ति भावना से चलते हैं। लेकिन यहां दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। कांवड़ियों को अपमानित किया जाता है। बिरसा मुंडा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कावंड़ियों पर जुबानी प्रहार करने वालों पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा कि कावंड यात्रा चल रही है। समाज के श्रमिक वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक लोग इसमें जुड़ते हैं। कोई भेदभाव नहीं, न जाति का भेद है न वर्ग का और न ही क्षेत्र का। हर– हर बम– बम बोलते हुए भक्ति भाव से चलते हैं। लेकिन इनका मीडिया ट्रायल होता है। बदनाम किया जाता है। ये मानसिकता भारत की विरासत को अपमानित करती है। कांवड़ियों को उपद्रवी कहना और अपमानित करना गलत है। कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। विरासत और आस्था को अपमानित किया जाता है।

व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से 'या अल्लाह' निकला

मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो– तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से 'या अल्लाह' निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। सीएम ने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने जनजाति समुदाय को भारत से अलग करने और भड़काने का प्रयास किया है। भारत के खिलाफ संघर्ष करने के लिए हर स्तर पर षडयंत्र किए। ये वही समुदाय है जो भारत की आस्था का सदैव अपमान करते हैं।

बरेली में ऑटो चालक को आया हार्ट अटैक दरोगा ने सीपीआर देकर बचाई जान

बरेली,संवाददाता । सेटेलाइट बस अड्डे के पास बुधवार शाम ऑटो चला रहे चालक को अचानक हार्ट अटैक आ गया। चालक की हालत बिगड़ता देख वहां ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस के दरोगा और सिपाही ने सीपीआर देकर उनकी जान बचा ली। हालत में सुधार होने पर ऑटो चालक ने दरोगा और सिपाही को आभार जताया और दुआएं दीं।

अधिवक्ताओं में जमकर हुई मारपीट

मथुरा,संवाददाता। थाना सदर बाजार क्षेत्र के कचहरी परिसर के पास महिला अधिवक्ताओं में मारपीट हो गई। कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा है। बताया गया है कि दोनों में चैंबर को लेकर विवाद हो गया था। मथुरा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां कलेक्ट्रेट परिसर में दो महिला वकीलों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मारपीट इतनी गंभीर थी कि मौके पर अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब कोषागार के पास दो महिला वकील आपस में भिड़ गईं। दोनों महिला वकीलों ने एक–दूसरे पर लात–घूंसे चलाए और चोटी पकड़ कर मारपीट करने लगीं। देखते ही देखते घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई।वायरल हो रहे वीडियो में तीन महिलाएं एक–दूसरे के साथ हाथापाई करती नजर आ रही हैं। सभी महिलाएं वकील की ड्रेस यानी काला कोट पहने हुए हैं। वीडियो में पीछे से तमाशबीनों की आवाजें भी साफ सुनाई देती हैं...'दे इसमें, दे इसमें।'

निदेशक होम्योपैथी प्रो. अरविन्द कुमार वर्मा को किया गया निलंबित

तबादलों में अनियमितता पर यूपी में एक्शन जारी, निदेशक होम्योपैथी प्रो. अरविन्द कुमार वर्मा को किया गया निलंबित

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बीते दिनों स्टांप एवं पंजीकरण विभाग में तबादलों में अनियमितता में आईएएस अधिकारी समीर वर्मा को महानिरीक्षक के पद से हटाने के बाद अब सरकार ने दूसरे विभाग में भी एक्शन लिया है। तबादलों में अनियमितता के आरोप में निदेशक होम्योपैथी को निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में उनको राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल गाजीपुर से सम्बद्ध किया गया है। स्थानांतरण में अनियमितता, दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही तथा भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हुए अधिकारियों को दिग्भ्रमित करने के आरोप में निदेशक होम्योपैथी प्रो. अरविंद कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के पीछे स्थानांतरण विवाद को प्रमुख माना जा रहा है। शिकायतें मिलने पर इनके द्वारा स्थानांतरण सत्र में किए गए समस्त तबादलों को रद कर दिया गया था। निलंबन का आदेश जारी करते हुए प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने प्रो. अरविंद कुमार वर्मा के खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई करने के आदेश भी दिए हैं।

निदेशक के खिलाफ पूर्व में मिली लापरवाही व अन्य शिकायतों की जांच महानिदेशक आयुष ने की थी। उनकी प्राथमिक जांच आख्या के आधार पर पदीय दायित्वों के निर्वहन में संदिग्ध भूमिका, कर्तव्यनिष्ठा का अभाव तथा भ्रामक तथ्यों को प्रस्तुत करते हुए दिग्भ्रमित करने की प्रवृति और शिथिल व संवेदनहीन कार्यशैली के आरोप निदेशक होम्योपैथी पर हैं। गौरतलब है कि स्थानांतरण सत्र के दौरान प्रो. अरविंद कुमार वर्मा ने होम्योपैथी विभाग में जो तबादले किए थे उसमें कई शिकायतें विभागीय मंत्री व उच्चाधिकारियों के पास पहुंची। निदेशक पर समूह 'ख' 'ग' और 'घ' में कई तबादले स्थानांतरण नीति की अनदेखी कर कर किए जाने के आरोप लगे थे।

ट्रांसफर–पोस्टिंग में अनियमिताओं को लेकर बड़ी कार्रवाई

आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने मुख्यमंत्री से की थी शिकायत

स्थानांतरण में अनियमितताओं के साथ ही लगे हैं कई अन्य आरोप

आयुष मंत्री डा.दयालु ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। निदेशक ने खुद को बचाने के लिए खूब प्रयास किया लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण निदेशक होम्योपैथी अपने को बचा नहल्ह सके।

सम्पादकीय

विदेशी मोर्चे पर भारत को दोहरा झटका

सर्वमित्रा सुरजन अगर चीन और पाकिस्तान कोई नया संगठन बनाते हैं और उसमें बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और मालदीव जैसे देश शामिल हो जाते हैं, तो भारत को जरूर चिंता होगी। भूटान को छोड़ दें तो कोई भी दक्षिण एशियाई देश शायद भारत के साथ खड़ा नहीं होगा। यानी भारत के लिए बड़ी चुनौती खड़ी होने वाली है। मोदी सरकार से घर तो संभल नहीं रहा, विदेश नीति में भी नरेन्द्र मोदी पूरी तरह नाकाम हो चुके हैं, यह बात कई तरह से सामने आई है। लेकिन हाल में दो ऐसे वाकए वैश्विक स्तर पर हुए हैं, जो भारत के लिए चिंताजनक हैं। हालांकि इस बात की पूरी उम्मीद है कि मोदी सरकार या भाजपा के कट्टर समर्थक इन चिंताओं को हवा में उड़ाकर कह दें कि मोदी है तो मुमकिन है और उसके बाद सब चंगा सी। लेकिन इस रवैये से न उनका भला होगा, न देश का। जुमलों से राजनीति चल सकती है, चुनाव जीते जा सकते हैं, जनता का ध्यान भी भटकाया जा सकता है, लेकिन वैश्विक मंच पर जुमले कारगर नहीं होते, खासकर ऐसे वक्त में जब भारत को नीचा दिखाने के लिए लोग बरसों से तैयार बैठे हों। पहला प्रकरण यह है कि नाटो के प्रमुख मार्क रूट ने भारत को बाकायदा धमकी दी है कि अगर उसने रूस से व्यापार संबंध खत्म नहीं किए तो 100 प्रतिशत सैकेंडरी सेन्कशन्स यानी प्रतिबंध लग जाएंगे। दूसरा प्रकरण यह है कि चीन अब पाकिस्तान के साथ मिलकर दक्षिण एशियाई देशों के लिए कोई नया संगठन खड़ा करने की तैयारी में है। इस संगठन में भारत का कोई स्थान तो नहीं ही होगा, लेकिन नयी खतरनाक चुनौतियां रहेंगी, यह तय है। याद कीजिए राहुल गांधी ने संसद में कहा था कि मोदी सरकार की गलतियां चीन और पाकिस्तान को साथ ला रही हैं, अब वह आरोप सिद्ध होता दिख रहा है। 1947 में मिली आजादी के बाद ही भारत न केवल आर्थिक तौर पर अपने पैरों पर खड़ा होने के काम में जुट गया, बल्कि अपने जैसे कई और देशों का इकबाल बुलंद करने के लिए पं.नेहरू ने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया, जिसे तीसरी दुनिया के देशों ने हाथों–हाथ लिया। दूसरी तरफ पश्चिम का दबाव कम करने के लिए दक्षेस का गठन हुआ। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी दक्षेस यानी सार्क जब 1985 में बना तब उद्देश्य यही था कि इसमें शामिल सभी देश एक दूसरे के साथ सहयोग करते हुए आगे बढ़ेंगे। 2014 के पहले की तमाम सरकारों ने सार्क के महत्व को बनाए रखा। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध होने के बावजूद सार्क के खत्म होने की नौबत नहीं आई। 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार पदभार ग्रहण किया तो सार्क देशों के प्रमुखों को न्यौता भेजकर यह जाहिर किया था कि वे भी अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों की राह पर चलकर विदेश नीति को वैसे का वैसा बनाए रखेंगे। लेकिन साल बीतते न बीतते श्री मोदी की अलग पहचान बनाने की ख्वाहिश ने ऐसा जोर पकड़ा कि अब सार्क पूरी तरह अप्रासंगिक हो गया है और इस शून्य को भरने के लिए चीन और पाकिस्तान नयी चाल चल रहे हैं। हाल ही में चीन के कुनमिंग शहर में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय बैठक हुई थी।

बताया जा रहा है कि इस बैठक का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों को इस नए संगठन में शामिल होने का आमंत्रण देना था। हालांकि बांग्लादेश ने ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है। लेकिन इस तथ्य को कैसे झुठलाया जा सकता है कि चीन के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश एक साथ बैठे, और भारत इसमें अलग–थलग रहा। शेख हसीना को अपदस्थ करने और मो.युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनने के बाद से ढाका से भारत के रिश्ते खराब हो रहे हैं। इधर पाकिस्तान के साथ तो बात लगातार बिगड़ ही रही है। अभी ऑपरेशन सिंदूर में जब पाकिस्तान हार की कगार पर था, एक तरफ से अमेरिका ने सीजफायर का ऐलान कर दिया और दूसरी तरफ से पाक को आधुनिक हथियार देने के लिए चीन भी आगे आया। इस महीने की शुरुआत में फिक्की के एक कार्यक्रम में भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान अग्रिम मोर्चे पर था और चीन ने उसे हर संभव समर्थन दिया। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध हमेशा तनावपूर्ण रहे हैं, और चीन भी पाक के जरिए भारत को घेरने की कोशिश करता रहा है, लेकिन यह सब इतने खुलेआम इससे पहले कभी नहीं हुआ। कारगिल युद्ध या मुंबई हमलों के बाद भी भारत–पाक के बीच तनाव बढ़ा था, दोनों देशों के बीच कई बार मैच रद्द होने, कलाकारों को रोकने जैसी नाराजगी दिखाई गई है। लेकिन इन सबके साथ संवाद हमेशा चलता रहा, मोदी सरकार ने उसे भी बंद कर दिया है।

अपने शपथग्रहण में पाक को दावत देने से लेकर नवाज शरीफ के घर खुद दावत में अचानक पहुंच जाने वाले श्री मोदी को शायद इस बात का डर है कि अगर उन्होंने पाक पर सख्ती दिखाने के साथ ही संवाद भी जारी रखा तो इससे उनकी राष्ट्रवादी छवि को धक्का लगेगा और देश का एक बड़ा तबका, जिसे भाजपा ने ही उग्रराष्ट्रवाद की घुट्टी पिलाई है, वो नाराज हो जाएगा। इस तबके को खुश रखने के लिए भाजपा ने चुनाव में विरोधियों के वोट काटने के लिए पाकिस्तान विरोधी बातें कहते हैं। हालांकि मोदी सरकार के समझदार लोग भी यह जानते होंगे कि पाकिस्तान से अबोला रखकर समस्याएं और बढ़ेंगी, सुलझेंगी नहीं। दक्षिण एशिया में एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना की हलचल ऐसी ही एक समस्या दिखाई दे रही है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान मिलकर ऐसा संगठन बना सकते हैं, जो अब लगभग निष्क्रिय हो चुके सार्क की जगह ले लेगा। इस पहल के जरिए शायद भारत को यह संदेश देने की कोशिश है कि क्षेत्रीय समूह भारत के बिना और चीन के नेतृत्व में भी बनाए जा सकते हैं। बता दें कि सार्क का आखिरी सम्मेलन 2014 में हुआ था, इसके बाद 2016 में इस्लामाबाद में प्रस्तावित शिखर सम्मेलन का भारत ने बहिष्कार कर दिया था। भारत ने उरी आतंकी हमले के बाद यह कदम उठाया था, इसके बाद बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी सम्मेलन से किनारा कर लिया था। लेकिन पाकिस्तान के बहिष्कार के बावजूद भारत बाकी दक्षेस देशों को इस बात के लिए राजी नहीं कर सका कि वे पाक को अलग–थलग कर दें। ये देश भारत और पाक दोनों के साथ अपने–अपने स्तरों पर दोस्ती निभाते रहे। भारत चाहता है कि वह किसी भी क्षेत्रीय समूह में 'केंद्र शक्ति' के रूप में उसे स्वीकार किया जाए, लेकिन अन्य देश इसे विभिन्न कारणों से स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे में मोदी सरकार को यह सोचना चाहिए कि क्यों उसकी बात को द.एशिया के देश सुनने तैयार नहीं हैं। भारत और पाकिस्तान का आपसी तनाव शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) जैसे बहुपक्षीय मंच पर भी दिख रहा है। इसमें भी चीन पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकी को निःसंकोच दिखा रहा है।

राहुल गांधी पिछले एक साल में विपक्ष के एक प्रभावी नेता के रूप में उभरे

राहुल ने कांग्रेस पार्टी में पार्टी–प्रमुख और वर्तमान में विपक्ष के नेता सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने पर्दे के पीछे काम किया है, पार्टी को जीत और हार के बीच मार्गदर्शन दिया है, जबकि 2004 से 2014 तक मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री पद नहीं लिया। समर्थकों का दावा है कि गांधी ने 18वीं लोकसभा के दौरान एक मजबूत विपक्ष का प्रभावी नेतृत्व किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले एक साल से विपक्ष के नेता (एलओपी) हैं। इस भूमिका में, वह भारत की संसद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वह सरकार को जवाबदेह ठहराते हैं और जनता के विचारों के पक्ष में बोलते हैं। हालांकि विपक्ष के नेता की भूमिका संविधान में नहीं है, लेकिन यह गांधी को वरिष्ठ नौकरशाहों और सरकारी अधिकारियों को चुनने और सरकार पर कड़ी नज़र रखने में मदद करती है। वह विभिन्न संसदीय समितियों में भी शामिल हो सकते हैं।

राहुल सरकार की शक्ति पर अंकुश लगाना चाहते हैं और ज़रूरत पड़ने पर कई विधायी कार्यों को सफलतापूर्वक रोक चुके हैं। हालांकि एक साल उनके प्रदर्शन का पूरी तरह से मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन यह उनकी नेतृत्व क्षमताओं का संकेत ज़रूर देता है। उनके प्रदर्शन का आकलन करते समय कई सवाल उठते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में वे कितने प्रभावी रहे हैं? क्या वे एक अच्छे सांसद हैं? क्या वे सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में सफल रहे हैं? क्या उन्होंने बजट समीक्षा के प्रति अपनी पार्टी के दृष्टिकोण पर उल्लेखनीय प्रभाव डाला है? इसके अलावा, क्या उन्होंने इस दौरान एक आदर्श उदाहरण के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है? क्या वे संसद के भीतर और बाहर विपक्ष को एकजुट करने में सक्षम रहे हैं? आदि। साथ–साथ चुनाव करवाने का विचार 2004 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद से राहुल के राजनीतिक जीवन में सफलताओं और चुनौतियों का मिश्रण रहा है। साथ ही, विवादों ने उनकी ज़िम्मेदारियों के भार को रेखांकित किया है। कभी–कभी उन्होंने संसद में धरना–प्रदर्शनों में विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व किया। फिर भी, कई महत्वपूर्ण मौकों पर वे अनुपस्थित रहे। राहुल ने कांग्रेस पार्टी में पार्टी–प्रमुख और वर्तमान में विपक्ष के नेता सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने पर्दे के पीछे काम किया है, पार्टी को जीत और हार के बीच मार्गदर्शन दिया है, जबकि 2004 से 2014 तक मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री पद नहीं लिया। समर्थकों का दावा है कि गांधी ने 18वीं लोकसभा के दौरान एक मजबूत विपक्ष का प्रभावी नेतृत्व किया है। गौरतलब है कि 2014 से 2024 के बीच किसी भी विपक्षी दल को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक 543 सीटों में से कम से कम 10प्रतिशत सीटें नहीं मिली थी। इसलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उस एक दशक में यह पद रिक्त रहा। कम संख्या का मतलब स्थायी समितियों और प्रवर समितियों जैसी विभिन्न संसदीय समितियों में विपक्ष का प्रतिनिधित्व कम था। ।सेव त्मंक – बिहार तो बस झांकी है, पूरा देश बाकी है! 2024 के चुनावों में, किस्मत ने कांग्रेस पार्टी का साथ दिया, जिसने 99 सीटें जीतकर एक पुनरुत्थान का संकेत दिया। भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट करने वाले इंडिया गठबंधन ने 234 सीटें हासिल कीं। भाजपा 240 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से चूक गयी। उन्होंने सरकार बनाने के लिए जेडी(यू) और तेलुगु देशम पार्टी से समर्थन मांगा, जिससे अन्य दलों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए रणनीतियां बनाने की आवश्यकता पड़ी। लोकसभा में अपने पहले दिन, विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सत्तारूढ़ गठबंधन को कानून के शासन का पालन करना चाहिए, जबकि विपक्ष को आर्थिक मंदी, बेरोज़गारी, जाति जनगणना और किसानों के संकट जैसे ज्वलंत मुद्दे उठाने चाहिए। गांधी के कदम व्यर्थ नहीं गये। उनके नेतृत्व ने, एक तरह से, मोदी सरकार को जाति जनगणना और लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक पर अपना रुख बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। ये केवल नीतिगत बदलाव नहीं हैं, बल्कि उनके नेतृत्व में आए महत्वपूर्ण बदलाव हैं, जो उनके प्रभाव के महत्व को रेखांकित करते हैं। भाजपा और सत्तारूढ़ गठबंधन राजनीतिक महत्व के मुद्दों पर अलग–अलग विचार रखते हैं।

विरोधी राहुल की आलोचना करते हैं कि वे विपक्ष के नेता के रूप में अपने कर्तव्यों की अनदेखी करते हुए अक्सर विदेश जाते हैं। उन्होंने पिछले एक साल में 300 विदेश यात्राएं की हैं। पीआरएस के अनुसार, संसद में उनकी उपस्थिति 51 प्रतिशत रही, उन्होंने 8 बहसों में भाग लिया, 99 प्रश्न पूछे और कोई भी निजी विधेयक नहीं लाया। वे बताते हैं कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने कई राज्य खो दिये हैं। ज़ोर–शोर से किये गये प्रचार के बावजूद, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर जाने के लिए राजी नहीं कर पाये। अडानी उनका एक और प्रिय विषय है, लेकिन उन्हें अभी तक सफलता नहीं मिली है। राहुल विपक्ष को एकजुट करने में पूरी तरह सफल नहीं रहे हैं। 2024 के चुनाव के बाद के परिदृश्य में उन्हें और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। चुनावों के बाद गठबंधन में दरार आ गयी थी।

बी.एड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष किया

ओडिशा के बालासोर में फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज की बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद सोमवार रात भुवनेश्वर के एम्स में दम तोड़ दिया। 20 साल की इस छात्रा ने यौन उत्पीड़न के आरोपी एक प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कॉलेज परिसर में खुद को आग लगा ली थी। छात्रा ने इतना बड़ा कदम किसी भावावेश में नहीं उठाया, बल्कि उस छात्रा ने पहले ही अपनी व्यथा और हताशा जाहिर करते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उसकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की गई तो वह आत्महत्या कर लेगी। इस से पहले पीड़िता ने अपने इलाके के सांसद प्रतापचंद सारंगी से भी शिकायत की थी। पीड़िता की मौत की बात सुनकर खुद भाजपा सांसद श्री सारंगी ने बताया है कि च्च्कुछ दिन पहले लड़की और उसकी दोस्तों ने मुझे घटना की जानकारी दी थी। मैंने प्राचार्य और एसपी से बात की। प्राचार्य ने कहा कि जांच समिति इस पर काम कर रही है और पांच दिनों में समाधान हो जाएगा। लड़की ने बताया था कि वह पहले भी आत्महत्या की कोशिश कर चुकी हैज् आज जब मैंने खबर सुनी, तो मैंने प्राचार्य को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठायाज् जब मैंने समिति की रिपोर्ट देखी, तो उसमें कई गलतियां थींज् मैंने उन्हें बताया कि आपकी जांच पूरी तरह पक्षपाती है। उनकी रिपोर्ट पीड़िता के बयान से बिल्कुल मेल नहीं खा रही है।के रूप में उभरे भाजपा को और किसी की बात पर यकीन हो न हो, अपने सांसद की बात तो सुननी ही चाहिए। क्योंकि इस बारे में जब राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पीड़िता की मौत भाजपा के सिस्टम की नाकामी की वजह से हुई है, तो केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान उल्टे राहुल गांधी पर आरोप लगा रहे है कि वे घटिया राजनीति कर रहे हैं। मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। यह भाजपा की ही सोच है, जिसमें पीड़ित के साथ खड़े होना या सरकार से सवाल उठाने को घटिया राजनीति कहा जाता है। मगर ऐसा करते हुए भाजपा भूल जाती है कि ऐसी राजनीति उसने तब खूब की है, जब वह विपक्ष में रहती है। दिल्ली के निर्भया कांड से लेकर प.बंगाल में आर जी कर की घटना तक या फिर राजस्थान में कांग्रेस सरकार के वक्त घटी ऐसी घटनाओं पर सीधे राष्ट्रपति शासन की मांग लगाकर भाजपा ने सरकारों पर सवाल उठाए हैं। ऐसा करने में कुछ गलत नहीं है, क्योंकि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार पर होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बने इसमें भी सरकार की ही अहम भूमिका होती है। महिलाओं के लिए समाज में व्यापक तौर पर जो रूढ़िवादी और घृणित मानसिकता बनी हुई है, उसे रातोंरात तो खत्म नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसे में सरकारें चाहें तो थोड़ी सख्ती दिखाकर माहौल को सुधार सकती है। ओडिशा की भाजपा सरकार इस अपेक्षा पर ही खरी नहीं उतरी है। यहां पिछले एक साल में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे।

अपने मित्र के साथ समुद्र किनारे घूमने आई युवती के साथ सामूहिक् बलात्कार की घटना ने भी राज्य को दहला दिया था, लेकिन उसके बाद कुछ और ऐसे ही मामले हुए। कुछ दिनों पहले ही राहुल गांधी ने ओडिशा में एक सभा की थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ओडिशा में 40 हजार से ज्यादा महिलाएं गायब हो गई हैं, लेकिन आज तक किसी को नहीं पता कि यह महिलाएं कहां गईं। यहां महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है। ओडिशा में हर दिन 15 महिलाओं का रेप होता है, लेकिन यहां की सरकार को इससे कोई मतलब नहीं है। ये सरकार 24 घंटे सिर्फ आपकी जमीन छीनने का काम करती है। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं– जब भी आपको मेरी और कांग्रेस पार्टी की जरूरत होगी, हम आपके साथ खड़े रहेंगे। ता दें कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में भारी भीड़ जुटी थी, इससे पहले भी अब भाजपाशासित राज्य ओडिशा में कांग्रेस काफी सक्रिय हो गई है। शायद यही वजह है कि अपनी एक और नाकामी पर अब भाजपा ने सुधार करने की जगह राहुल गांधी को निशाना बनाया है।

बड़ी कार्रवाई: गोरखपुर में नशीली दवाइयों के धंधेबाजों पर शिकंजा...पहले कर्मचारी, अब ड्रग इंस्पेक्टर निलंबित

गोरखपुर,संवाददाता

नकली और नशीली दवाओं के धंधेबाजों पर मुख्यमंत्री की भृकुटी टेढ़ी हुई तो भालोटिया मार्केट में दो दिन से हंगामा मचा हुआ है। मंगलवार को औषधि प्रशासन विभाग के अनुसेवक मोहन तिवारी का निलंबन हुआ तो वहीं बुधवार को औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) राहुल कुमार भी निलंबित कर दिया गया।

ड्रग इंस्पेक्टर पर औषधि अनुसेवक के इशारे पर कार्य करने और संदिग्ध व नशीली दवाओं की जांच नहीं करने के साथ ही नए ड्रग लाइसेंस के आवेदनों की जांच में लापरवाही समेत कई गंभीर आरोप हैं। पूरे मामले की जांच सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद को सौंपी गई है।

पूर्वांचल में दवाओं की सबसे बड़ी मंडी भालोटिया में मरीजों की सहूलियत के लिए मंगाई गई मनोचिकित्सा और दर्द निवारक दवाइयों को धंधेबाज नशेड़ियों के लिए पंजाब और दिल्ली में बेच रहे हैं। इस तरह का मामला पकड़े जाने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने यहां छापा मारा तो कई बड़े चौंकाने वाले खुलासे हुए।

यहां तक कि एक दुकान ऐसी मिली, जिसका पंजीकरण तो है लेकिन वहां दूसरी दुकान चल रही थी। मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचा तो उन्होंने इस मामले में जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम की सख्ती के बाद मंगलवार को औषधि प्रशासन विभाग के औषधि अनुसेवक मोहन तिवारी को निलंबित करते हुए वाराणसी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया।

इसके बाद बुधवार को ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार को निलंबित करते हुए आयुक्त कार्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर पर लगे आरोपों की जांच सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद को सौंपी गई है।

औषधि अनुसेवक के इशारे पर कार्य कर रहे थे ड्रग इंस्पेक्टर

औषधि निरीक्षक राहुल कुमार पर आरोप है कि वह अपने अधीनस्थ औषधि अनुसेवक मोहन तिवारी के इशारे पर काम करते थे। नए ड्रग लाइसेंस के लिए आए आवेदनों पर रिपोर्ट लगाने में मनमानी करते थे। वहीं संदिग्ध और नशीली दवाओं का सैंपल भी नहीं लेते थे। उनके हर महीने का टारगेट तक पूरा नहीं हो रहा था। ड्रग इंस्पेक्टर पर कोर्ट में चल रहे मामलों में भी पैरवी नहीं करने का आरोप है। बता दें कि निलंबित औषधि अनुसेवक पर व्यापारियों को धमकाकर पैसा वसूलने समेत कई अन्य गंभीर आरोप हैं।

धंधेबाजों की दुकानों पर नहीं होती थी जांच

करीब डेढ़ साल से गोरखपुर में तैनात ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार ने शहर के झुंगिया, भटहट, एम्स, सरदारनगर, बड़हलगंज समेत कई जगहों से नशीली दवाएं पकड़ीं थीं। कहीं भी खरीद–बिक्री की रसीद नहीं मिली।

इन दवाओं को कहां से खरीदा गया, बिना लिखा–पढ़ी के ये दवाएं कैसे बिकीं, गोरखपुर की दवा पटना और दिल्ली में क्यों बिकी ऐसे तमाम मुद्दे रोज ही चर्चा में आते थे, लेकिन नकली व नशीली दवाओं के धंधेबाजों की जांच नहीं होती थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम जांच करने भालोटिया आई तो पहले ही दिन मार्केट के खेल को पकड़ लिया। नशीली दवाओं की बिक्री और अवैध वसूली से दवा विक्रेता परेशान थे। मुख्यमंत्री ने इस गंभीर मामले का संज्ञान लिया और सख्त कार्रवाई की, इससे दवा व्यापारियों को राहत मिली है। यह कार्रवाई धंधेबाजों के लिए चेतावनी भी है कि मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने के बाद बड़े से बड़े माफिया पर भी बिना किसी दबाव के सख्त कार्रवाई जरूर होगी: आलोक चौरसिया, महामंत्री दवा विक्रेता समिति

सीएम की सख्ती के बाद मंगलवार को औषधि प्रशासन विभाग के औषधि अनुसेवक मोहन तिवारी को निलंबित करते हुए वाराणसी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया। इसके बाद बुधवार को ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार को निलंबित करते हुए आयुक्त कार्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है।

50 लाख हड़पने का मामला

पीड़ित की मौत, संभल एसपी तब थे गोरखपुर

कोतवाली थाने की बेनीगंज पुलिस चौकी। उद्घाटन के समय की फोटो, आलोक सिंह इसी चौकी में प्रभारी था।

गोरखपुर,संवाददाता। कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित बेनीगंज में अप्रैल 2024 में चेकिंग के दौरान दवा व्यापारी नवीन श्रीवास्तव को धमकाकर 50 लाख रुपये हड़पने का सनसनीखेज केस पैरवी के अभाव में कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। बीते 10 जून को पीड़ित नवीन की कैंसर से मौत हो गई और मामले के गवाह नवीन के भाई गगन लकवाग्रस्त हो चुके हैं। इस बीच दो आरोपियों को हाईकोर्ट से प्रोसीडिंग स्टे मिल गया है। हालांकि, आरोपी चौकी इंचार्ज आलोक सिंह और प्रिंस श्रीवास्तव अभी जेल में है। तीन अप्रैल 2024 को बलिया निवासी बेनीगंज के तत्कालीन चौकी इंचार्ज आलोक सिंह ने चेकिंग के दौरान लाला टोली निवासी दवा व्यापारी नवीन श्रीवास्तव को 50 लाख रुपये के साथ पकड़ा था। आरोप है कि एनकाउंटर का डर दिखाकर पूरी रकम हड़प ली थी। मामला संज्ञान में आने पर तत्कालीन एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बेनीगंज चौकी प्रभारी आलोक सिंह को सस्पेंड कर दिया था। तत्कालीन एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मामले की जांच शुरू की जिसके बाद नवीन की तहरीर पर कोतवाली थाने में चौकी इंचार्ज आलोक सिंह और उसके साथी प्रिंस श्रीवास्तव व तीन अज्ञात के खिलाफ भ्रष्टाचार सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ। बाद में आलोक और प्रिंस जेल भेज दिए गए। जांच के दौरान मुकेश, प्रचंड और विशाल के नाम भी सामने आए थे। इन तीनों ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर मामले में रियायत हासिल कर ली थी। बाद में इनमें से दो को प्रोसीडिंग स्टे मिल गया। जेल में बंद दरोगा आलोक सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर रखी है। इसी बीच पीड़ित नवीन की कैंसर की चपेट में आ गया। बातचीत में भाई गगन ने बताया कि 10 जून को नवीन की मौत हो गई। जब मामला हुआ था, उसी दौरान गगन को लकवा मार गया था। केस की पैरवी और इलाज में लंबे खर्च की वजह से परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो चुकी है।

क्या होता है प्रोसिडिंग स्टे

वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णा नंद तिवारी ने बताया कि किसी भी मामले में जब ट्रायल निचली अदालत में चल रहा होता है तो आरोपी पक्ष हाईकोर्ट में जाते हैं। वहां मामले की वैधानिकता को चुनौती देते हुए अर्जी दाखिल करते हैं। अगर कोर्ट से इस याचिका पर स्टे मिल जाता है तो निचली अदालत में चल रहे मामले में आरोपियों के खिलाफ किसी प्रकार की कार्यवाही, गिरफ्तारी या पुलिस की कागजी कार्रवाई पर तय अवधि के लिए रोक लग जाती है।

24 घंटे के भीतर हुई थी बरामदगी

तत्कालीन एसपी सिटी केके बिश्नोई ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ाई थी। 24 घंटे के भीतर आरोपियों के पास से 44 लाख रुपये बरामद कर लिए गए थे। सूत्रों के मुताबिक आरोपी रुपये की बंदरबांट कर लेने की तैयारी में थे, इसी बंदरबाट में छह लाख रुपये खत्म भी कर चुके थे लेकिन जांच में तेजी का नतीजा यह रहा कि 44 लाख रुपये बरामद हो गए। कुछ दिन बाद ही एसपी सिटी बिश्नोई का तबादला बतौर एसपी संभल जिले के लिए हो गया था।

मेडिकल स्टोर संचालक दंपती की संदिग्ध मौत सुसाइड नोट बरामद

सिद्धार्थनगर,संवाददाता। मदन मोहन अग्रवाल अपनी पत्नी अंजू अग्रवाल और बड़े बेटे राहुल अग्रवाल (39), उनकी पत्नी व बच्चों के साथ केडिया भवन के दो फ्लैट में रह रहे थे। उनका दूसरा बेटा रोहन अग्रवाल (36) अपने ससुराल में रहता है, जबकि दूसरे नंबर की बेटी खुशबू उर्फ गोल्डी की शादी बलरामपुर में हुई है। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी कस्बे में बृहस्पतिवार को सनसनी फैल देने वाली घटना सामने आई। जहां करीब 40 वर्षों से रह रहे प्रसिद्ध मेडिकल स्टोर संचालक मदन मोहन अग्रवाल (60) और उनकी पत्नी अंजू अग्रवाल (55) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

घटना नगर पंचायत बढ़नी कस्बा के स्टेट बैंक के पास स्थित यूरो किड स्कूल के सामने, केडिया भवन में किराए के मकान में हुई। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसके आधार पर जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, मदन मोहन अग्रवाल अपनी पत्नी अंजू अग्रवाल और बड़े बेटे राहुल अग्रवाल (39), उनकी पत्नी व बच्चों के साथ केडिया भवन के दो फ्लैट में रह रहे थे।

उनका दूसरा बेटा रोहन अग्रवाल (36) अपने ससुराल में रहता है, जबकि दूसरे नंबर की बेटी खुशबू उर्फ गोल्डी की शादी बलरामपुर में हुई है। मृतक दंपती के बड़े बेटे राहुल अग्रवाल, जो पिता के साथ होलसेल मेडिकल स्टोर की दुकान चलाते हैं, ने पुलिस को बताया कि वे दुकान का कामकाज देखते थे, जबकि लेखा–जोखा उनके पिता मदन मोहन अग्रवाल संभालते थे।

राहुल ने पुलिस को बताया कि उनके पिता ने व्यापार के लिए बैंक से करीब 20 लाख रुपये का कर्ज लिया था, जिसमें से लगभग 10 लाख रुपये वे जमा कर चुके थे। हालांकि, पिछले दो–तीन दिनों से उनके पिता काफी परेशान दिख रहे थे। राहुल के अनुसार, उनके पिता कई दिनों से किसी बात को लेकर चिंतित थे।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय, एसडीएम राहुल सिंह, थानाध्यक्ष ढेबरुआ गौरव सिंह, चौकी प्रभारी अनिरुद्ध सिंह और फोरेंसिक टीम पहुंच गई। टीम ने शवों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मौके से मिले सुसाइड नोट और प्रारंभिक जांच के आधार पर मामले की गहनता से पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के सही कारणों का पता चल पाएगा।

शेरवानी के दुपट्टे से लटका मिला युवक का शव, मुंबई का मूल था निवासी- गोरखपुर में करता था रोजगार

गोरखपुर,संवाददाता। अमित बिजला (35) गोरखनाथ थाना क्षेत्र के ग्रीन वैली में 1008 मकान नंबर में वर्ष 2022 से रहते थे। वह मूलरूप से 12/10 नवजीवन सोसाइटी, मुंबई के रहने वाले थे। गोरखनाथ क्षेत्र में वह चॉकलेट की फैक्टरी संचालित करते थे। गोरखनाथ थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम 5:30 बजे मुंबई के युवक अमित बिजला (35) का शव घर में शेरवानी के दुपट्टे से पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को लेकर मुंबई चले गए। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पारिवारिक कलह में खुदकुशी की है।

जानकारी के अनुसार, अमित बिजला (35) गोरखनाथ थाना क्षेत्र के ग्रीन वैली में 1008 मकान नंबर में वर्ष 2022 से रहते थे। वह मूलरूप से 12/10 नवजीवन सोसाइटी, मुंबई के रहने वाले थे। गोरखनाथ क्षेत्र में वह चॉकलेट की फैक्टरी संचालित करते थे। मकान में भांजा अक्षय और दोस्त निलेश जायसवाल रहते थे।

दोस्त निलेश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को अमित घर पर अकेले थे। दोपहर में उसने अक्षय को ऑर्डर देने के लिए कहा था। शाम के समय वह बाल कटवाने गया था। शाम करीब 5:30 बजे वापस आकर दरवाजे का बेल बजाया तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर गया तो देखा कि हॉल में अमित का शव शेरवानी के दुपट्टे से पंखे से लटका हुआ है। सूचना पर पहुंची गोरखनाथ थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। बुधवार को मुंबई से परिजन आए और पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर चले गए। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि युवक का शव हॉल में फंदे से लटका मिला था। उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को लेकर चले गए। युवक पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में था।

छह माह पहले हुई थी शादी

अमित बिजला की शादी छह माह पहले मुंबई की रिया जायसवाल से हुई थी। वह अमित के माता–पिता के साथ मुंबई में रहती थी। बताया जा रहा है कि दोनों में पिछले कुछ दिनों से रिश्ते ठीक नहीं थे। इसी बात को लेकर अमित तनाव में था। कई बार बहस भी हो चुकी थी। अमित माता–पिता के एकलौते संतान थे। वह डिप्रेशन में भी थे। इसी से आशंका जताई जा रही है कि तनाव में आकर खुदकुशी कर ली। हालांकि, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं बरामद हुआ है।

अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर और उसके करीबियों के बलरामपुर समेत एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है।

छांगुर के 14 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

उतरौला के 12 और मुंबई के दो ठिकानों को ईडी की टीमें खंगाल रहीं

बलरामपुर,संवाददाता। अवैध धर्मांतरण के आरोप में एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले में प्रवर्तन निदेशालय 14 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है, जिनमें से 12 उत्तर प्रदेश के बलरामपुर के उतरौला में और दो मुंबई में हैं। तलाशी आज सुबह 5 बजे शुरू हुई। ईडी ने उसके कांप्लेक्स की पड़ताल के साथ ही मधुपुर स्थित उसके आवास को भी खंगालना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही ईडी छांगुर के करीबियों के घरों पर पहुंच कर छानबीन कर रही है। छांगुर को मधपुर में जमीन बेचने वाले पूर्व प्रधान जुम्मन के घर भी ईडी ने दस्तक दे दी। वहीं, सुबह से शहर के अन्य ठिकानों पर ईडी जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर के ठिकानों की पड़ताल बृहस्पतिवार की सुबह से ही शुरू हो गई। एटीएस के साथ ही ईडी की टीम ने भी छानबीन तेज कर दी है। उतरौला पहुंची टीम ने छांगुर से जुड़े करीब 12 ठिकानों की पड़ताल की।उतरौला में बने छांगुर के प्रतिष्ठान का ताला खुलवा कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छांगुर के दूसरे जिलों और प्रदेशों में ठिकानों की छानबीन भी हो रही है। ईडी छांगुर मामले में मनी लांड्रिंग के साथ ही विदेशी फंड की जांच कर रही है। उतरौला में सुबह से ही टीम पड़ताल में जुटी है।

कांप्लेक्स के साथ घर भी तलाश रही ईडी

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के संपत्तियों की पड़ताल ईडी ने तेज कर दी है। उसके कांप्लेक्स की पड़ताल के साथ ही मधुपुर स्थित उसके आवास को भी ईडी ने खंगालना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही ईडी छांगुर के करीबियों के घरों पर पहुंच कर छानबीन कर रही है। छांगुर मधपुर में जमीन बेचने वाले पूर्व प्रधान जुम्मन के घर ईडी ने दस्तक दी। वहीं, सुबह से शहर के अन्य ठिकानों पर ईडी जांच कर रही है।

उतरौला में एसटीएफ का छापा, छांगुर के भतीजे को उठाया

इससे पहले, उतरौला में बुधवार की देर रात एसटीएफ की टीम पहुंची थी। रात करीब 11 बजे उतरौला बस अड्डा रोड पर टीम पहुंची। वहां एक बैंक के सामने खड़ी बाइक पर बैठे एक युवक से एसटीएफ ने पूछताछ की। इसके बाद उसे बैठा लिया। बाद में पता चला एसटीएफ की टीम ने छांगुर के भतीजे सोहराब को हिरासत में लिया है। इस पर आजमगढ़ में धर्मांतरण कराने का आरोप है। हालांकि, पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया है।

एटीएस के गवाह पर छांगुर के गुर्गों ने किया हमला, बयान न बदलने पर दी हत्या की धमकी

इससे पहले, अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान न बदलने पर जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर हमला कर दिया। उन्हें बुरी तरह से पीटा और हत्या की धमकी दी। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रसूलाबाद निवासी हरजीत एटीएस के गवाह हैं।

विवाहिता ने दी जान

'मुझे कमरे में बंद करके पीटा...

कई दिन भूखा भी रखा', पति ने तलाक मांगा तो हाथ-पैर पर सुसाइड नोट लिख दी जान

बागपत,संवाददाता। यूपी के बागपत जिले में एक महिला से पति ने मांगा तलाक तो उसने जान दे दी। पत्नी ने शरीर पर सुसाइड नोट भी लिखा है। पति से विवाद होने के कारण एक साल से विवाहिता बागपत के रठौड़ा गांव में अपने मायके में रह रही थी। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से दिल दहालने वाला मामला सामने आया है। सात जन्म तक साथ निभाने का वादा करने वाले पति ने दो साल बाद ही बागपत जिले के रठौड़ा गांव की मनीषा (24) से तलाक मांग लिया। इस पर महिला ने मंगलवार रात कीटनाशक निगल कर खुदकुशी कर ली। परिजनों को उसका शव बुधवार की सुबह घर में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जान देने से पहले मनीषा ने अपने शरीर पर सुसाइड नोट लिखा और उसमें अपनी मौत के लिए पति समेत अन्य ससुराल वालों को जिम्मेदार बताया।

मुझे पति ने कमरे में बंद करके पीटा और कई दिन भूखा भी रखा

कीटनाशक निगलने से पहले मनीषा ने शादी के बाद अपनी हर पीड़ा को हाथ और पैर पर लिखा। उसने सुसाइड नोट में लिखा कि मेरी मौत के जिम्मेदार पति, सास, ससुर और दो देवर हैं, जो रठौड़ा आकर मेरे पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी देकर गए हैं। उसने लिखा कि पति ने मेरी बहुत पिटाई की और कमरे में बंद करके कई दिनों तक भूखा भी रखा।

इसके बाद दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर गोलियां खिलाकर मेरा गर्भपात भी कराया गया। गांव में हुई पंचायत में पति ने मुझे जान से मारने की धमकी भी दी और गांव वालों के सामने मेरे परिवार वालों की बेइज्जती करके तलाक के लिए कहा।

दो बार पंचायत के बाद भी नहीं बनी बात

रठौड़ा निवासी विवेक ने बताया कि वर्ष 2023 में मनीषा की शादी में दहेज में बुलेट बाइक दी गई थी। इसके बाद ससुराल वाले ज्यादा दहेज मांगने लगे। आरोप लगाया कि मांग पूरी नहीं होने पर मनीषा को उसका पति शराब पीकर कमरे में बंद करके पीटता था। बताया कि शादी के पांच माह बाद ही अपनी बहन को लेकर रठौड़ा आना पड़ा। गांव समाज के लोगों की पंचायत हुई तो दो बार दोनों पक्षों में समझौता हुआ लेकिन ससुराल में मनीषा का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। मृतका मनीषा चार भाई बहनों में तीसरे नंबर की थी। उसके बड़े भाई विवेक की शादी हो चुकी है, जबकि दो भाई अविवाहित हैं।

यह है पूरा मामला

रठौड़ा गांव के रहने वाले गाजियाबाद एमसीडी कर्मी तेजवीर ने बताया कि उसने अपनी बेटी मनीषा की शादी वर्ष 2023 में सिद्धिपुर जिला गाजियाबाद के रहने वाले युवक के साथ की थी। शादी के पांच माह बाद ही बेटी के ससुराल वाले दहेज में थार गाड़ी और लाखों रुपये की मांग करने लगे। आरोप है कि दहेज नहीं देने पर मनीषा का ससुराल में उत्पीड़न किया गया और उसका गर्भपात भी करा दिया गया। वे जुलाई 2024 में मनीषा को मायके ले आए। तेजवीर ने बताया कि चार दिन पहले ससुराल पक्ष के लोगों के साथ बातचीत हुई। पंचायत में रिश्तेदार व अन्य लोग भी रहे और दोनों पक्षों में तलाक के लिए सहमति बन गई।

मनीषा ने फसलों में डालने के लिए रखा कीटनाशक निगला

इसके बाद पति ने मनीषा से तलाक के कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। तभी से मनीषा उदास रहने लगी। मंगलवार देर रात मनीषा ने घर में माता सुनीता, नीरज, बाबा जयभगवान, भाई रितिक और हार्दिक के सोने के बाद फसलों में डालने के लिए रखा कीटनाशक निगल लिया।

बुधवार की सुबह परिवार वालों को नींद से जागने पर मनीषा का शव पड़ा हुआ मिला। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम से घटनास्थल की जांच कराई और ग्रामीणों से भी पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, मामले में जांच की जा रही है और शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस और बाइक की टक्कर आग में जलकर खाक हुई बस

हाथरस में रोडवेज बस और बाइक की टक्कर, आग में जलकर खाक हुई बस, 100 मीटर तक घसीटा, बाइक चालक की मौत

संवाददाता, हाथरस। हनुमान चौकी के निकट बुधवार की रात्रि बड़ा हादसा हो गया। मेरठ से हाथरस की ओर आ रही फाउंड्री नगर डिपो की रोडवेज बस ने बाइक को रौंद दिया। टक्कर के बाद करीब 100 मीटर तक बाइक घिसटती हुई गई। इसमें निकली चिंगारी से पहले बाइक में आग लगी। इसके बाद पूरी बस जल उठी। हादसे में बाइक सवार की मृत्यु हो गई। अन्य यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। यात्रियों ने दरवाजे और खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में कुछ यात्रियों का सामान भी जल गया। फाउंड्री नगर की रोडवेज बस मेरठ से आगरा की ओर जा रही थी। बस में करीब 22 यात्री हाथरस और आगरा के सवार थे। तभी हनुमान चौकी के निकट जंगलात में सामने से आ रही बाइक को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। बाइक बस के अगले हिस्से में फंस गई और बाइक सवार की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

चालक बस को 100 मीटर तक घसीट कर ले गया, जिससे बाइक की पेट्रोल टंकी लीक हो गई और आग लग गई। आग लगते ही बस में अफरा–तफरी मच गई और यात्रियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। चालक और परिचालक मौके से भाग गए। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। हादसे के दौरान यात्रियों में चीख–पुकार मच गई थी, लेकिन गनीमत रही कि कोई यात्री हताहत नहीं हुआ।

यात्रियों ने बचाई अपनी जान

यात्रियों ने बताया कि बस में आग लगते ही उन्होंने खिड़कियों और दरवाजों से कूदकर अपनी जान बचाई। यदि थोड़ी सी भी देर होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात बाइक सवार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस बस चालक और परिचालक की तलाश कर रही है।

यातायात प्रभावित

हादसे के कारण यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ। आगरा–अलीगढ़ हाईवे पर वाहनों की कतार लग गई, लेकिन बाद में यातायात सामान्य हो गया। पुलिस ने हाईवे से बस को सड़क किनारे कराया।

यूपी के प्राचीन शिव मंदिरों का कायाकल्प करेगी सरकार, इन जिलों के सात मंदिरों का होगा सौंदयीकरण

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने बीते आठ वर्षों में 188 प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण करवाया है। इससे धार्मिक पर्यटन के साथ ही तीर्थयात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है। पर्यटन विभाग, यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि. और यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के सहयोग से प्रदेश भर में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी है।

इसके तहत सरकार कई प्राचीन शिव मंदिरों का कायाकल्प करेगी। इनमें से अधिकांश मंदिर, पिछली सरकारों में उपेक्षा के कारण दुर्दशा के शिकार थे।

बीते आठ साल में प्रदेश सरकार ने 188 प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प व सौंदर्याकरण कराया है। सीएम के निर्देश से हो रहे इन कार्यों से न सिर्फ धार्मिक पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बल मिल रहा है।

इसी क्रम में आगरा के फतेहाबाद में भट्टा की पिपरी मौजा मेवाली खुर्द स्थित शिव मंदिर परिसर, फिरोजाबाद में चकलेश्वर महादेव मंदिर और समौर बाबा मंदिर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के कार्य यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि. से कराने की तैयारी है। गोरखपुर में भूलेश्वर मंदिर, खजनी महादेव शिव मंदिर और झारखंडी महादेव मंदिर के साथ गोंडा में तीरे मनोरमा मंदिर का पर्यटन विकास यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. द्वारा किया जाएगा। तो मैनपुरी जिले में घंटाघर का सौंदर्याकरण यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि. से कराया जाएगा।

वहीं, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिर्जापुर मंडल के तीन जिलों मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र में ग्रामीण पर्यटन विकास रणनीति तैयार करने और ग्रामीण होमस्टे विकसित करने के लिए एक एजेंसी का चयन किया जा रहा है। इसके तहत कुल 8 गांव में इस योजना को लागू करते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

रोजगार और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

पर्यटन के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य उत्पादों और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इन पर्यटन विकास परियोजनाओं से होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार के द्वार खुल रहे हैं।

यूपी बन रहा देश का अग्रणी पर्यटन गंतव्य

उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्य स्थल बन रहा है। प्रदेश सरकार हैरिटेज पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है। सरकार 11 विरासत स्थलों को विकसित करने की रूपरेखा बना चुकी है।

'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' के बाहर से भी दौड़ेंगी ट्रेनें

भीरा खीरी–रायबोझा के बीच बिछेगी नई लाइन

पूर्वोत्तर रेलवे ने दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के बाहर भीरा खीरी–रायबोझा के बीच नई रेल लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने हिमालय की तराई में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया है। इस परियोजना के लिए 03.58 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है जिससे दिल्ली पीलीभीत और उत्तराखंड के लिए आवागमन आसान होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

संवाददाता, गोरखपुर। 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' के अंदर ही नहीं अब बाहर से भी ट्रेनें दौड़ेंगे। रेल यातायात को और सुगम बनाने के लिए रेलवे बोर्ड ने 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' के बाहर से भीरा खीरी–रायबोझा के बीच नई रेल लाइन बिछाने की मंजूरी दे दी है। फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए धन भी आवंटित कर दिया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार रेल मंत्रालय ने हिमालय की तराई में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए भीरा खीरी– रायबोझा (120 किमी) के मध्य नई लाइन के निर्माण तथा मैलानी–भीरा खीरी (16 किमी) एवं नानपारा–रायबोझा (13 किमी) के आमान परिवर्तन (छोटी से बड़ी लाइन) के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को स्वीकृति प्रदान की है, ताकि मैलानी से नानपारा के मध्य

बड़ी रेल लाइन की सुविधा उपलब्ध हो सके। यह क्षेत्र देश के ब्राड गेज नेटवर्क से जुड़ कर विकास की मुख्य धारा में आ सके। उत्तर प्रदेश में बहराइच एवं खीरी जनपद स्थित मैलानी–नानपारा मीटर गेज लाइन के मैलानी–भीरा खीरी एवं नानपारा–रायबोझा खंडों का आमान परिवर्तन तथा भीरा खीरी एवं रायबोझा के मध्य 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' के बाहर से नई बड़ी रेल लाइन के सर्वे के लिए 03.58 करोड़ का बजट स्वीकृति मिल चुकी है। फाइनल लोकेशन सर्वे के साथ ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का कार्य किया जाएगा।

इन रेल लाइनों के बिछ जाने से दिल्ली सहित देश के पश्चिमी एवं उत्तरी भाग में जाने के साथ ही पूर्वी भारत से पीलीभीत एवं उत्तराखंड आवागमन के लिए भी एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो जाएगा। क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वन्य एवं कृषि उत्पादों को देश के विभिन्न महानगरों तक सीधी ट्रेन की सुविधा से भेजा जा सकेगा।

इको टूरिज्म के लिए संरक्षित है मैलानी–नानपारा छोटी लाइन

दुधवा वन क्षेत्र में पड़ने वाले मैलानी से नानपारा छोटी रेल लाइन इको टूरिज्म के लिए संरक्षित कर लिया गया है। ताकि, वन्यजीव स्वच्छंद और निर्बाध विचरण कर सकें। इस क्षेत्र में पड़ने वाले बड़ी रेल लाइनों पर भी वन्यजीव का विशेष ख्याल रखा गया है। जगह–जगह रेलवे क्रासिंग बनाए गए हैं। जिससे होकर वन्यजीव रेल लाइनों को आसानी से पार कर सकें।

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण दुधवा नेशनल पार्क में करीब 120 साल पुरानी ऐतिहासिक मैलानी–नानपारा छोटी रेल लाइन स्थापित है। 170 किमी लंबी रेल लाइन पर 16 स्टेशन हैं। यह रेल लाइन 16 फरवरी 2020 से बंद पड़ी है। पूर्वोत्तर रेलवे की लगभग 4391 ट्रैक किमी रेल लाइन छोटी से बड़ी हो गई है।

लंदन से पढ़ाई, दादा–पिता पूर्व सांसद और भाई विधायक

,शामली ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी की कैराना लोकसभा सीट से सांसद इकरा हसन एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। कैराना सांसद और छुटमलपुर नगर पंचायत अध्यक्ष शमा परवीन के साथ एडीएम ने अभद्र बर्ताव किया। समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद इकरा हसन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस योगी सरकार के अफसर ने कैराना सांसद इकरा हसन और छुटमलपुर नगर पंचायत की अध्यक्षा शमा परवीन के साथ अभद्रता का मामला संज्ञान में आया है। आरोप है कि एडीएम प्रशासन ने दोनों को कार्यालय से बाहर निकाल दिया। इसके साथ यह भी कहा कि कार्यालय उनका है, अपने मन से जो चाहे वह करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस मामले में कैराना सांसद की शिकायत के बाद मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं।

कैराना सांसद ने प्रमुख सचिव नियुक्ति उत्तर प्रदेश के साथ–साथ मंडलायुक्त को इस मामले की शिकायत भेजी है। इसमें बताया कि 1 जुलाई को छुटमलपुर की विभिन्न समस्याओं को लेकर एडीएम संतोष बहादुर सिंह से मुलाकात करनी थी। एक बजे उनसे संपर्क किया गया, तब जवाब मिला कि एडीएम लंच के लिए जा चुके हैं और पत्राचार के माध्यम से अपनी समस्या दे दें।

एडीएम ने इकरा हसन के साथ किया अभद्र बर्ताव

लंच के बाद कैराना सांसद और छुटमलपुर नगर पंचायत अध्यक्ष शमा परवीन के साथ करीब तीन बजे एडीएम के कार्यालय में पहुंचीं। आरोप है कि मुलाकात के दौरान एडीएम का व्यवहार अपमानजनक था। उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्षा को डांटा। इस पर कैराना सांसद ने समस्या सुनने का अनुरोध किया। आरोप है कि एडीएम ने उनके साथ भी अभद्र बर्ताव किया और कार्यालय से बाहर जाने के लिए भी कह दिया। कैराना सांसद ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की है। आइए जानते हैं कौन हैं इकरा हसन बारे में।

पहली बार चुनाव लड़ीं और सांसद बनीं

देश की राजनीति में शामली जिले के कैराना का हसन परिवार, जिसकी तीन पीढ़ियों के सभी सदस्य देश और प्रदेश के उच्च सदन के सदस्य रहे हैं। यही नहीं हसन परिवार की सबसे छोटी बेटी इकरा हसन पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ीं और भारी वोटों से विजय हासिल कर सांसद बन गईं। इकरा हसन के वालिद मरहूम चौधरी मुनव्वर हसन का नाम तो राजनीति में एक मुकाम हासिल करने पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। मुनव्वर हसन ने सबसे कम उम्र में देश के चारों सदनों का सदस्य बनने का गौरव हासिल किया था।

लंदन में पढ़ी इकरा ने पहली बार लड़ा चुनाव और बन गईं सांसद

इकरा हसन पहली बार कैराना लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ीं और भाजपा के प्रदीप चौधरी को 69 हजार 116 वोटों से हराया। इकरा हसन को पांच लाख 28 हजार 13 मत मिले जबकि, भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को चार लाख 58 हजार 897 वोट मिले। इकरा हसन की शुरुआती शिक्षा कैराना में हुई थी। उन्होंने 12वीं दिल्ली के क्वींस मेरी स्कूल से की थी। लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की। इसके बाद इंटरनेशनल लॉ एंड पॉलिटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से किया था। लंदन में सीएए का विरोध–प्रदर्शन कर सुर्खियों में आई थीं। वह पढ़ाई पूरी कर 2021 में स्वदेश लौटी थीं।

बड़े भाई नाहिद हसन हैं कैराना सीट से वर्तमान विधायक

सांसद इकरा हसन के बड़े भाई चौधरी नाहिद हसन कैराना विधानसभा सीट पर सपा पार्टी से विधायक हैं। नाहिद हसन ने ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा ग्रहण की। 2008 में सड़क हादसे में पिता मुनव्वर हसन की मृत्यु के बाद वे भारत वापस आ गए।

2014 के उपचुनाव में नाहिद हसन सपा के टिकट पर विधायक का चुनाव लड़े और पहली बार विधायक बने। इसके बाद 2017 व 2022 में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मृगांका सिंह को हरा कर जीत हासिल की और लगातार तीन बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया।

मां तब्बसुम बेगम दो बार रह चुकीं सांसद

इकरा हसन की माता तब्बसुम बेगम दो बार कैराना सीट से सांसद चुनी गईं। 2008 में मौजूदा सांसद मुनव्वर हसन की सड़क हादसे में मौत पर बसपा सुप्रीमो मायावती कैराना आई थीं। 2009 में तब्बसुम बसपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़कर सांसद बनीं। इसके अलावा 2018 में उपचुनाव में भी तब्बसुम बेगम चुनाव जीत कर सांसद बनीं। जबकि 2019 का चुनाव वो हार गई थीं।

मुनव्वर हसन का नाम दर्ज है गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में

15 मई 1964 को पूर्व सांसद अख्तर हसन के घर जन्मे मुनव्वर हसन ने राजनीति में ऊंचाइयों को छुआ। मुनव्वर हसन ने 1991 में राजनीति में कदम रखा। 1991 और 1993 में दो बार जनता दल के टिकट से विधायक बने।

बाद में सपा में शामिल होने पर 1996 में सांसद बने। 1998 में पूर्व राज्यपाल विरेंद्र वर्मा से चुनाव हार जाने के बाद राज्यसभा के सदस्य बने। 2003 में विधान परिषद का चुनाव लड़ कर एमएलसी बने। 2004 में मुजफ्फरनगर सीट से सपा के टिकट पर सांसद बने। लेकिन 10 दिसंबर 2008 की मनहूस रात जब एक सड़क हादसे में राजनीति के दिग्गज मुनव्वर हसन दुनिया को अलविदा कह गए। सबसे कम उम्र में देश के चारों सदनों का सदस्य बनने पर उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था।

दादा अख्तर हसन 1984 में बने थे सांसद

इकरा हसन के दादा अख्तर हसन का जन्म 1930 में गांव जंघेडी में फैय्याज हसन के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार कैराना के मोहल्ला आल दरम्यान में आकर बस गया था। 1969 में अख्तर हसन वार्ड सभासद बने। 1970 में मुस्लिम गुर्जर खाप के चौधरी बने। 1971 व 1973 में दो बार नगर पालिका के चेयरमैन बने। 1975 में आजीवन कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में लोकसभा का चुनाव लड़ा और रिकॉर्ड एक लाख 27 हजार मतों से जीत हासिल करके सांसद बने।

चाचा हाजी अनवर हसन बने थे पालिका चेयरमैन

इकरा हसन के चाचा हाजी अनवर हसन ने 2018 में कैराना नगर पालिका चेयरमेन पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था। हाजी अनवर हसन राशिद अली को शिकस्त देकर नगर पालिका चेयरमैन बने थे, लेकिन 2023 के पालिका चुनाव में वो हार गए थे।

गोरखपुर के सहजनवां फ्लाईओवर को मिली मंजूरी 700 करोड़ से होगा निर्माण

फ्लाईओवर को केंद्र सरकार की सैद्धांतिक सहमति 700 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा फ्लाईओवर जाम से निजात और विकास को मिलेगी गति

संवाददाता, गोरखपुर।

गोरखपुर–लखनऊ फोरलेन पर बोक्टा से सहजनवां तक एलिवेटेड फ्लाईओवर को केंद्र सरकार की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना को स्वीकृति मिलने की जानकारी स्वयं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद रवि किशन शुक्ला को एक पत्र के माध्यम से दी है।

गीडा के उद्यमियों और स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद रवि किशन लंबे समय से इस फ्लाइओवर के निर्माण को लेकर प्रयासरत थे। इसके निर्माण से गोरक्षनगरी की आधारभूत संरचना को एक नई ऊंचाई मिलेगी। गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद रवि किशन शुक्ला व सहजनवां के विधायक प्रदीप शुक्ला पिछले कई महीनों से इस फ्लाईओवर की मांग को लेकर केंद्र सरकार से लगातार संपर्क में थे। क्षेत्रीय ट्रैफिक की समस्याओं, दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी और औद्योगिक विकास में आ रही रुकावटों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह मांग उठाई थी। केंद्रीय मंत्री गडकरी की ओर से भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति कर दी गई है, और प्रक्रिया के अगले चरण जल्द शुरू होंगे।

इस फ्लाईओवर के निर्माण से गोरखपुर–सहजनवां मार्ग पर सफर सुगम और सुरक्षित होगा। वर्तमान में इस रूट पर प्रायः जाम लगा रहता है, जिससे निजात मिल जाएगी। स्थानीय लोगों के साथ ही ट्रांसपोर्ट सुविधा बेहतर होने से उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। निवेशकों का झुकाव भी गीडा में बढ़ेगा।

शादी के तीन दिन बाद चुड़ैल कह चेहरे पर थूका, महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

गोरखपुर में रीमा यादव नाम की एक महिला ने अपने रेलवे में कार्यरत पति पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि शादी के बाद पति ने उसे चुड़ैल कहकर प्रताड़ित किया और तलाक का दबाव बनाया क्योंकि उसे दहेज में कार नहीं मिली थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संवाददाता, गोरखपुर। शादी होने के बाद रेलवे में कार्यरत पति को पत्नी का चेहरा पसंद नहीं आया। ससुराल पहुंचने के तीन दिन बाद पत्नी को चुड़ैल कहते हुए मुंह पर थूक दिया। तलाक लेने का दबाव बनाया, बोला सुंदर नहीं हो, वह दूसरी शादी करना चाहता है। डेढ़ महीने बाद वह मायके चली आई। इसके बाद कई बार समझौते के तहत ससुराल गई। लेकिन, पति समेत ससुराल वालों के व्यवहार में कोइ परिवर्तन नहीं आया। इस समय मायके में रहते हुए झरना टोला की रीमा यादव ने एम्स थाने में तहरीर देकर पति समेत पांच लोगों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। रीमा की शादी 26 अप्रैल 2024 को चौरी चौरा बरही के रहने वाले दीपक यादव से हुई थी। पुलिस को दी तहरीर में रीमा बताया कि शादी से पहले ससुराल वाले गोरखनाथ मंदिर में उसे देखने आए थे। पति, ससुर बलराम यादव, सास शकुंतला देवी, जेठ दिलीप और देवर ने मिलकर पसंद किया। इसके बाद सगाई हुई। ससुराल वालों के मांगने पर पिता ने नौ लाख रुपये नकद, जेवर और घरेलू सामान दिए। शादी के दूसरे दिन घर से विदा होकर ससुराल पहुंची। वहां तीन दिन बाद ही पति ने ताना मारना शुरू किया। बोला, मैं रेलवे में नौकरी करता हूं, मुझे दहेज में कार नहीं दी गई। ऐसा करो तुम मुझसे तलाक ले लो, तुम्हारी शक्ल सूरत भी अच्छी नहीं है। इसके बाद चुड़ैल बोलते हुए चेहरे पर थूक दिया। रीमा का आरोप है कि रेलवे में नौकरी लगने के एक साल बाद भी जानबूझकर दस्तावेज में नामिनी के रूप में उसका नाम नहीं दर्ज कराया। बार–बार तलाक लेने की बात कहते हुए यही कहते रहे कि मुझे दूसरी शादी करनी है।

31 मार्च को पीटकर घर से निकाल दिया

रीमा ने कहा कि पति की शिकायत सास–ससूर से की तो उन्होंने कहा– मेरा बेटा सही कह रहा है। तुम अपने पिता से कहकर कार दिलवा दो। तभी चैन से यहां रह पाओगी। इसके बाद कार के लिए जेठ और देवर भी दबाव बनाने लगे, मारा पीटा।

वाराणसी: नदी का जलस्तर बढ़ा, लोग घर छोड़ने को मजबूर

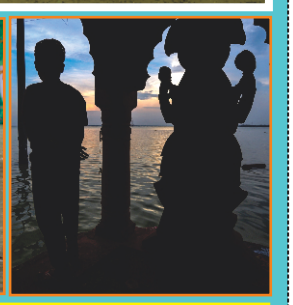

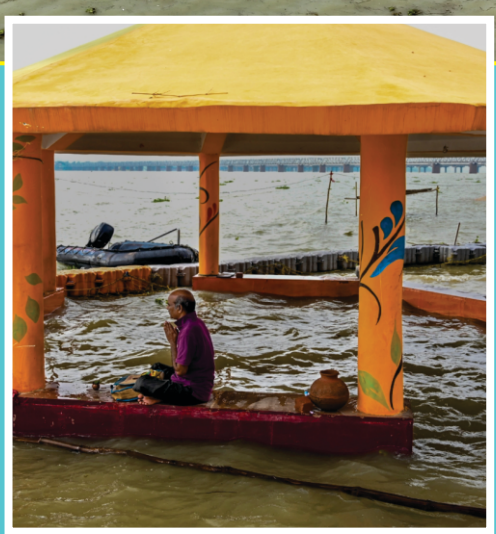

अश्लील इशारे और गंदी गालियां, फूहड़ कंटेंट...

चार लाख फालोवर्स, 25 हजार की कमाई, महक और परी का कुबूलनामा

संभल,संवाददाता। असमोली थाना पुलिस ने गांव शहबाजपुर कलां निवासी मेहरूल निशा उर्फ परी और उसकी बहन महक व साथी अमरोहा के थाना डिडौली अंतर्गत जोया निवासी हिना व गांव भवालपुर निवासी जर्रार को गिरफ्तार कर लिया है। संभल के गांव शहबाजपुर कलां निवासी मेहरूल निशा उर्फ परी और उसकी बहन महक ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह वीडियो से 20 से 25 हजार रुपये कमा लेती हैं। उनके चार लाख फालोवर्स हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय होने से पहले चांदी का वर्क तैयार करने का काम करती थीं। पिता अभी भी परचून की दुकान चलाते हैं। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि कंटेंट मर्यादित होता तो गांव का नाम रोशन होता लेकिन अब गांव का नाम खराब हुआ है। इसके चलते ही लोगों में रोष रहता है। गांव के लोगों ने कहा कि इसी तरह की युवती अमरोहा के थाना डिडौली अंतर्गत जोया निवासी हिना है जिसने अपने परिजनों का नाम खराब किया है।

चार लाख से ज्यादा फालोवर्स

ग्रामीणों ने बताया कि मेहरूल निशा उर्फ परी और महक अपने दो भाइयों से बड़ी हैं। परिवार में मां और पिता हैं जो काफी समय से चांदी का वर्क बनाने का काम करते हैं। साथ ही परचून की दुकान भी चलाते हैं। दरअसल दोनों बहनों ने मिलकर मई 2024 में इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाया था। पहले नाम कुछ और दिया गया था। इसके बाद फिर दो बार नाम बदला गया। बाद में महक–परी143 नाम आईडी को दिया गया। शुरुआत में कम फॉलोवर्स थे लेकिन जब कंटेंट को अश्लील और अमर्यादित किया तो फॉलोवर्स बढ़ते चले गए। ये दोनों अश्लील इशारे, गंदी गाली वाले वीडियो अपलोड करतीं थीं। वर्तमान में चार लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हो गए हैं।

अशोभनीय कमेंट करते हैं लोग, समाज को लज्जित करने की कहते हैं बात

पुलिस ने तीनों युवतियों व युवक से चार मोबाइल को बरामद किया है। इन मोबाइल की छानबीन करने के दौरान वीडियो पर आए कमेंट पर हजारों लोगों ने अशोभनीय कमेंट किए थे। इसमें ज्यादातर लोगों ने कंटेंट बेहद खराब होने की बात लिखी थीं। महिलाओं के अपमानित करने का भी हवाला दिया था। पुलिस को छानबीन के दौरान काफी वीडियो मिले सभी का कंटेंट अश्लील या आपत्तिजनक ही मिला।

अश्लील रील बनाकर पोस्ट करने वाली तीन युवतियां और एक युवक गिरफ्तार

संभल के असमोली थाना पुलिस ने गांव शहबाजपुर कलां निवासी मेहरूल निशा उर्फ परी और उसकी बहन महक व साथी अमरोहा के थाना डिडौली अंतर्गत जोया निवासी हिना व गांव भवालपुर निवासी जर्रार को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि आरोपी युवतियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्होंने रुपये कमाने और सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स को बढ़ाने के लिए अमर्यादित कंटेंट चुना था। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई।

एसपी ने बताया कि महक परी के नाम से आईडी बनाई गई थी। इस आईडी से यह दोनों बहनें अपने दो साथियों के साथ मिलकर अश्लील रील्स बनाकर सोशल मीडिया के अलग–अलग प्लेटफार्म पर शेयर कर रही थीं। रविवार को असमोली थाने की मंसूरपुर माफी पुलिस चौकी के इंचार्ज मोहित चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसके बाद से ही आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में गिरफ्तारी की गई है।

'नहीं बाबू... तुम्हें नहीं मरने दूंगा', दरोगा ने नाबालिग लड़की को देर रात भेजे मैसेज

मुरादाबाद,संवाददाता। यूपी के रामपुर में खाकी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। दरोगा पर नाबालिग लड़की को देर रात मैसेज भेजने के आरोप लगे हैं। युवती की मां ने एसपी को शिकायती पत्र सौंपा है। एसपी ने मामले की सीओ को जांच सौंप दी है। यूपी के रामपुर जिले में मिलक इलाके की एक गांव निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर एक दरोगा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि मिलक कोतवाली में तैनात दरोगा ने उसकी नाबालिग बेटी को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजे और वीडियो कॉल कर उसे परेशान किया।

यही नहीं, जब पीड़ित परिवार ने विरोध किया तो एक सिपाही को घर भेजकर मोबाइल से फोटो और चैटिंग डिलीट करवा दिए गए। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से इसकी शिकायत की है।

महिला ने शिकायत में बताया कि कुछ दिन पहले उसकी नाबालिग पुत्री के साथ गलत हरकत होने पर उसने मिलक कोतवाली में शिकायती पत्र दिया था। इसके बाद कोतवाली क्षेत्र में तैनात हल्का दरोगा ने फोन कर महिला और उसकी बेटी को थाने बुलाया।

थाने में नाबालिग से पूछताछ के बाद दरोगा ने उसका मोबाइल नंबर लिया और कहा कि अब वह घर चले जाएं, अगले दिन दूसरे पक्ष को बुलाकर बातचीत की जाएगी। महिला का आरोप है कि उसी रात दरोगा ने उसकी बेटी के फोन पर वीडियो कॉल की।

'नहीं बाबू तुम्हें नहीं मरने दूंगा'

इसके अलावा व्हाट्सएप पर लगातार मैसेज भेजने शुरू कर दिए। एक मैसेज में लिखा, नहीं बाबू तुम्हें नहीं मरने दूंगा। बाबू एक बार मिलना चाहा। अन्य चैट में दरोगा ने अकेले मिलने की बात कही थी। जब बेटी ने सारी बातें मां को बताईं तो वह अगले दिन सुबह थाने पहुंची। महिला का आरोप है कि वहां दरोगा ने उसे डांटकर थाने से भगा दिया। इसके बाद मंगलवार सुबह एक हल्के का सिपाही उनके घर पहुंचा और बहाने से मोबाइल लेकर उसमें मौजूद चैटिंग और फोटो डिलीट कर दिए।

'मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं'

पीड़िता ने कहा कि दरोगा बार–बार उसकी बेटी से अकेले में मिलने का दबाव बना रहा था। महिला ने पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र को शिकायती पत्र देकर दरोगा पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दरोगा का कहना है कि उनके ऊपर लगाए गए सभी आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं। उन्होंने किसी को कोई अश्लील मैसेज नहीं भेजा और यह सब उन्हें फंसाने की साजिश है। पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच मिलक क्षेत्राधिकारी को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

'कार्यालय से बाहर जाइए'

कैराना सांसद इकरा हसन से अभद्रता के मामले ने पकड़ा तूल, एडीएम पर अखिलेश ने कही ये बात

मेरठ,संवाददाता। यूपी के सहारनपुर के कैराना से सांसद इकरा हसन से अभद्रता के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सपाई विरोध में उतर आए हैं। मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर एडीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एडीएम पर निशाना साधा है। सहारनपुर के कैराना से सांसद इकरा हसन के साथ अभद्रता का मामला तूल पकड़ गया। सपाई इसके विरोध में उतर आए। पदाधिकारियों की तरफ से मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच के बाद एडीएम पर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने भी फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा है कि हम अपनी बेटी के साथ हैं। सपा जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद की तरफ से मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की गई है।

जिलाध्यक्ष ने लिखा कि कैराना सांसद और छुटमलपुर नगर पंचायत अध्यक्षा शमा परवीन के साथ हुई घटना निंदनीय है। इसके लिए एडीएम पर कार्रवाई होनी चाहिए। उधर, सपा महानगर प्रभारी एवं पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने पत्र भेजकर लिखा कि जन समस्याओं को लेकर सांसद इकरा हसन और अध्यक्षा एडीएम से मिलने के लिए पहुंची थीं। इस तरह उनके साथ अभद्र व्यवहार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फैसल सलमानी ने कहा कि यह पूरी घटना विपक्ष की राजनीति के लिए अत्यधिक गंभीर है। इसे लेकर उच्च अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी।

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फेसबुक और एक्स पर लिखा है कि जो अधिकारी सांसद का सम्मान नहीं करता वह जनता का सम्मान क्या करेगा।

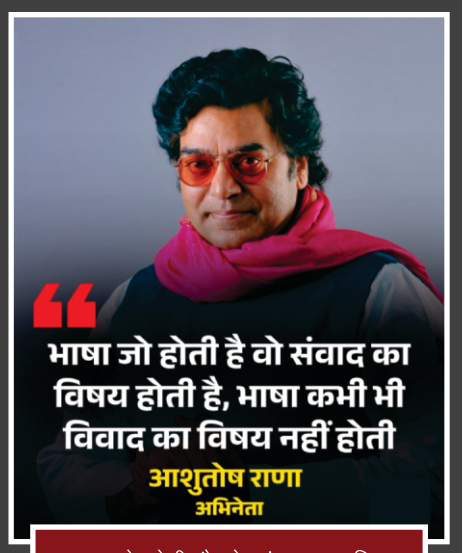

"भाषा जो होती है वो संवाद का विषय होती है, भाषा कभी भी विवाद का विषय नहीं होती."
एक्अर आशुतोष राणा ने महाराष्ट्र भाषा विवाद पर दिया बड़ा बयान, जमकर बजीं तालियां. आगे उन्होंने कहाः भारत इतना अद्भुत देश है... संवाद में विश्वास रखता है, विवाद में विश्वास नहीं रखता है।

मुम्बई। टीवी इंडस्ट्री में ऐसी कई हसीनाएं है जो अकेले ही अपने बच्चों का पालनदृपोषण करती हैं. करोड़ों की मालकिन हैं ये अभिनेत्रियां. यहां जानिए कितनी है इन सिंगल मॉम्स की नेटवर्थ. टीवी की ये एक्ट्रेसेस ममता की मूरत है. अकेले ही अपने बच्चों की परवरिश करती हैं ये एक्ट्रेसेस. अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने करोड़ों का साम्राज्य बनाया है. जानिए कितनी है इन हसीनाओं की नेटवर्थ. इस लिस्ट के पहले नंबर पर जूही परमार का नाम है. उन्होंने सीरियल कुमकुम से अपनी पहचान बनाई. सचिन श्रॉफ संग तलाक के बाद वो अकेले ही अपनी बेटी समायरा की परवरिश करती हैं।

10 लोगों को भेजा एक ही मैसेज, नहीं मिला जवाब हुमैरा की पासवर्ड वाली डायरी से खुलेंगे कई राज

एंटरटेनमेंट डेस्क। पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैर असगर का शव कुछ दिन पहले सड़ने की हालत में कराची के अपार्टमेंट मिला। हाल ही में हुमैरा के व्हाट्सएप मैसेज सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार हुमैरा ने मरने से कुछ घंटे पहले 10 लोगों को एक जैसा मैसेज भेजा था, जिसमें उनका भाई भी शामिल था। क्या लिखा था हुमैरा ने उस मैसेज में? कुछ दिन पहले पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर की मौत की खबर सामने आई। पुलिस के अनुसार इस एक्ट्रेस की मौत कई महीनों पहले हो चुकी थी। शव सड़ने की हालत तक पहुंच चुका था। अब हुमैरा के व्हाट्सएप मैसेज सामने आए हैं, मरने से पहले इस एक्ट्रेस ने 10 लोगों को एक ही मैसेज था। मगर किसी ने भी जवाब नहीं दिया। जानिए, उस मैसेज में वह क्या कहना चाहती थी?

पुलिस को मिली पासवर्ड डायरी

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हाल ही में पुलिस ने हुमैरा असगर के घर से मिले फोन, आईपैड और लैपटॉप के अलावा मोबाइल को अनलॉक किया। एक्ट्रेस की मौत के तीन दिन बाद ये सारे गैजेट्स बंद हो गए थे। पुलिस को एक हाथ से लिखी पासवर्ड डायरी मिली, जिसकी मदद से वह हुमैरा के सभी गैजेट्स को खोल पाए। मोबाइल में पुलिस को कुछ व्हाट्सएप मैसेज मिले, जो एक्ट्रेस ने 10 लोगों को भेजे थे। अभी पुलिस हुमैरा के गैजेट्स की और जांच कर रही है।

10 लोगों को भेजा ये मैसेज

एंकर इकरार उल हसन ने खुलासा किया कि हुमैरा असगर के फोन पर 10 व्हाट्सएप मैसेज मिले। यह सभी मैसेज उसकी मौत से कुछ घंटे पहले भेजे गए थे। भाई के अलावा 9 लोगों को भेजे गए सभी मैसेज में लिखा था, 'हैलो, मैं आपसे बात करना चाहती हूं।' मगर किसी ने भी इस मैसेज का जवाब नहीं दिया। भाई तक ने हुमैरा के मैसेज का जवाब नहीं दिया। हाल ही में परिवार ने एक्ट्रेस का शव लेने से भी इंकार किया था। परिवार से यह भी बताया कि हुमैरा से अपना नाता तोड़ चुके हैं।

वॉयस नोट भी वायरल हुआ

कुछ दिन पहले हुमैरा खान का एक वॉयस नोट भी वायरल हुआ। जिसमें वह अपनी एक दोस्त को कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूं कि तुम मक्का में हो। प्लीज मेरे लिए बहुत सारी बहुत सारी दिल से दुआ करना और मेरे करियर के लिए भी। दुआ करते समय मुझे जरूर याद रखना।' बताते चलें कि यह वॉयस नोट सितंबर 2023 में भेजा गया था, जो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है।

एंटरटेनमेंट डेस्क । अमीषा पटेल ने ड्रीम डेब्यू के बाद भी स्ट्रगल का लंबा रास्ता तय किया. जहां एक तरफ उन्होंने 20 फिल्मों के फ्लॉप होने का सामना किया. वहीं दूसरी तरफ अपने पिता के खिलाफ केस भी लड़ा. जानिए अमीषा की जर्नी के बारे में. अमीषा पटेल ने 2000 में ऋतिक रोशन के साथ 'कहो ना...प्यार है' से धमाकेदार एंट्री की और रातों–रात सुपरस्टार बन गईं.

उसके अगले साल 2001 को फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' की हिस्टोरिकल सक्सेस के बाद वो सुपरहिट हो गई थीं.

इतनी पॉपुलैरिटी मिलने के बाद अमीषा का डाउनफॉल शुरू हो गया. 2002 से 2010 के करीब 20 से ज्यादा फिल्में उनकी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई.

जब लीड रोल मिलना बंद हो गए तब उन्होंने रेस 2, हनीमून ट्रैवल्स, भूल भूलैया जैसी फिल्मों में छोटे–मोटे किरदार निभाए.

साल 2004 में अमीषा ने अपने ही पिता पर 12 करोड़ का इकोनॉमिक एब्यूज का आरोप लगाया और शिकायत दर्ज कराई. करियर और फैमिली की इन लड़ाइयों के साथ–साथ उनकी पर्सनल लाइफ में भी बहुत अकेलापन रहा. वो सिंगल रहीं और शादी नहीं की.

एक इंटरव्यू में अमीषा ने खुलासा किया था कि वो टॉम क्रूज को अपना ड्रीम मैन मानती हैं और मजाक में ही उन्हें अपने दिल में पति मान लिया।

जिस उम्र में लोग पोते–पोतियों संग रिटायरमेंट प्लान करते हैं

मुम्बई,एजेंसी। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर कबीर बेदी ने 70 साल की उम्र में शादी करके सबको चौंका दिया था. जिस वक्त ज्यादातर लोग जिंदगी से थकने लगते हैं, उन्होंने एक नया अध्याय शुरू किया. कबीर बेदी ने अपनी बेटी की उम्र की लड़की से शादी की. बेटी ने इस रिश्ते का खूब विरोध किया. आपको बताते हैं आज ये दिलचस्प लव स्टोरी के बारे में.

70 साल की उम्र में चौथी बार प्यार को दिया चांस

70 साल की उम्र में लोग अपनी जिम्मेदारियों से फारिग हो जाते हैं और वे पोते–पोतियों संग रिटायरमेंट प्लान करते हैं. लेकिन बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता कबीर बेदी ने तीन असफल शादियों के बाद चौथी बार प्यार को चांस दिया और शादी रचाई. कबीर बेदी की चौथी पत्नी का नाम परवीन दुसांज हैं.

बॉलीवुड शादी डॉट कॉम के मुताबिक कबीर बेदी और परवीन दुसांझ की पहली मुलाकात साल 2005 में लंदन में एक प्ले के दौरान हुई थी. परवीन दुसांझ कबीर के प्ले को देखने के लिए पहुंची थीं. फिर वे कबीर बेदी से मिली और वे उनसे बातें करने के दौरान ही उनकी तरह अट्रैक्ट हो गई थी. फिर इनके बीच दोस्ती शुरू हुई और लगभग 30 साल की उम्र के अंतर के बावजूद, दोनों एक–दूसरे के प्यार में पड़ गए थे.

कबीर और परवीन दुसांझ के रिश्ते के खिलाफ थीं बेटी पूजा बेदी

बॉलीवुड शादी डॉट कॉम के मुताबिक कबीर बेदी की बेटी पूजा बेदी अपने पिता के परवीन दुसांझ के साथ रिश्ते के फेवर में नहीं थीं. दिलचस्प बात ये है कि कबीर बेदी की पत्नी परवीन दुसांझ उनकी बेटी पूजा से पांच साल छोटी हैं. इन सबके बावजूद, कबीर और परवीन दुसांझ पब्लिकली साथ दिखाई देने लगे और उन्होंने लिव–इन रिलेशनशिप में रहने की बात भी कबूली.

अपने 70वें जन्मदिन पर कबीर ने परवीन दुसांझ संग की थी शादी

दोनों ने 10 साल तक एक दूसरे को डेट किया. फाइनली इस जोड़ी ने उम्र की सीमा को दरकिनार

कर कबीर के 70वें जन्मदिन के मौके पर शादी कर ली थी. इनकी शादी में दोस्त शामिल हुए लेकिन कबीर बेदी की बेटी पूजा अपने पिता की चौथी शादी से बेहद नराज हो गई थीं. उन्होंने ट्वीट कर अपना गुस्सा भी जाहिर किया था. हालांकि अब सब ठीक हो गया है और कबीर बेदी के अपनी बेटी पूजा संग रिश्ते भी सुधर गए हैं. वहीं वे अपनी चौथी पत्नी परवीन दुसांझ संग हैप्पी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रहे हैं.

कबीर की पहली पत्नी कौन थीं?

बॉलीवुड शादी की रिपोर्ट के मुताबिक कबीर बेदी की पहली शादी 1969 में, मॉडल और ओडिसी डांसर प्रोतिमा गुप्ता से हुई थी जब दोनों मिले, तब प्रोतिमा गुप्ता पहले से ही एक स्टार थीं और कबीर उनसे बेइंतहा प्यार करने लगे। चूँकि उनके माता–पिता उनके रिश्ते के खिलाफ थे, इसलिए दोनों ने भागकर शादी कर ली. कबीर और प्रोतिमा के दो बच्चे हुए, पूजा बेदी और सिद्धार्थ बेदी. उनका रिश्ता उतार–चढ़ाव भरा था, लेकिन अपने बच्चों की खातिर वे इसे संभालना चाहते थे. यही वह समय था जब उन्होंने ओपन मैरिज का ऑप्शन चुना. हालांकि, 1977 में उनका तलाक हो गया था.

कबीर बेदी की दूसरी और तीसरी पत्नियां कौन थीं?

रिपोर्ट के मुताबिक प्रोतिमा से अलग होने के बाद कबीर ने प्यार को एक और मौका दिया और 1980 में उनकी मुलाक़ात ब्रिटिश ओरिजन की फ़ैशन डिज़ाइनर सुज़ैन हम्फ्रीज़ से हुई. यह मुलाक़ात उनकी पत्नी प्रोतिमा से तलाक और प्रवीण से ब्रेकअप के कुछ ही समय बाद हुई थी. उस दौरान सुज़ैन एक मॉडलिंग असाइनमेंट के लिए अमेरिका में थीं.

दोनो को प्यार कैसे हुआ इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं हैं. लेकन कबीर और सुज़ैन ने शादी कर ली और 1981 में उन्होंने बेटे, एडम बेदी, का वेलकम किया जो एक मॉडल के तौर पर काम करता है. 1980 के दशक के अंत में दोनों अलग हो गए और 1990 में उनका तलाक हो गया था सुज़ैन हम्फ्रीज़ से तलाक के बाद, कबीर की मुलाक़ात 1991 में लंदन में मशहूर बीबीसी रेडियो प्रेजेंटर निक्की मूलगाओकर से हुई. निक्की कबीर से 20 साल छोटी थीं, लेकिन उम्र उनके लिए कभी मायने नहीं रखती थी और जल्द ही दोनों ने शादी कर ली, निक्की और कबीर अपनी लॉन्ग डिस्टेंस शादी को संभाल नहीं पाए और 2005 में इनका भी तलाक हो गया था।

थोड़ी सा लक साथ देता,तो भारत 3–0 से आगे होता:' रवि शास्त्री

पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारत इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में अब तक 3–0 की बढ़त बना सकता था, अगर अहम मौकों पर चूक न होती। उन्होंने लॉर्ड्स और एजबेस्टन टेस्ट में भारत की अच्छी स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि छोटी–छोटी गलतियों और किस्मत के साथ न होने से टीम को नुकसान हुआ। लॉर्ड्स टेस्ट में ऋषभ पंत का लंच से ठीक पहले रन आउट होना और करुण नायर की चूक ने मैच पलट दिया।

ास्त्री ने इंग्लैंड को भी क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया। इसके बावजूद, शास्त्री को भरोसा है कि भारत सीरीज़ में दमदार वापसी कर सकता है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी मदन लाल का लॉर्ड्स में मिली हार के बाद रिएक्शन चर्चा में है. इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में मिली हार के एक दिन बाद ही उन्होंने विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास वापस लेने का आग्रह किया. कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की दी थी. मदन लाल ने कहा– 'कोहली का भारतीय क्रिकेट के प्रति जुनून बेजोड़ था, मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें. वापसी में कोई बुराई नहीं है अगर इस सीरीज में नहीं तो उन्हें अगली सीरीज में वापसी करनी चाहिए. मेरे हिसाब से उन्हें संन्यास वापस लेना चाहिए. कि वह अभी एक से दो साल आराम से खेल सकते हैं. कोहली के लिए यंग प्लेयर्स को अपना अनुभव शेयर करना जरूरी है. अभी भी देरी नहीं हुई है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने पर BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला पूरी तरह खिलाड़ियों का व्यक्तिगत था। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने कभी किसी खिलाड़ी पर संन्यास लेने का दबाव नहीं डाला। शुक्ला ने दोनों दिग्गजों के योगदान की सराहना की और कहा कि वे उन्हें टेस्ट में याद करेंगे, लेकिन खुशी है कि वे वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं।

आईसीसी की बड़ी कार्रवाई, प्रतिका रावल और इंग्लैंड महिला टीम पर लगाया जुर्माना

स्पोर्ट्स डेस्क। दाएं हाथ की भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डीमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईसीसी ने यह कार्रवाई लेवल एक के उल्लंघन के लिए की है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल और इंग्लैंड की महिला टीम पर जुर्माना लगा दिया। आईसीसी ने यह कार्रवाई भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच बुधवार (16 जुलाई) को खेले गए मुकाबले में हुई गलतियों के कारण की। बता दें कि, भारत ने यह मुकाबला चार विकेट से जीता था। दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

वनडे में टीम इंडिया की जीत

पहले मैच में इंग्लैंड की महिला टीम को चार विकेट से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। साउथैम्पटन में खेले गए मुकाबले में दीप्ति ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 62 रन की नाबाद पारी खेली और टीम इंडिया को 259 रन चेज करने में मदद की। उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला। भारत और इंग्लैंड के बीच अगला वनडे 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। टी20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने पहले मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम ने 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 258 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 48.2 ओवर में छह विकेट पर 262 रन बनाकर मैच जीत लिया। दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली है। अगला वनडे 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3–2 से अपने नाम किया था।

इंग्लैंड की पारी

इंग्लैंड की कप्तान नैट शीवर ब्रंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की ओपनिंग खराब रही थी। 20 रन तक टीम ने दो विकेट गंवा दिए थे। टैमी ब्यूमोंट पांच रन और एमी जोंस एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद एम्मा लैंब ने कप्तान शीवर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी निभाई। एम्मा 50 गेंद में चार चौके की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, कप्तान शीवर 52 गेंद में पांच चौके की मदद से 41 रन बना सकीं। एक वक्त इंग्लैंड ने 97 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद सोफिया डंकले और डेविडसन रिचर्ड्स ने पांचवें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी निभाई। सोफिया 92 गेंद में नौ चौके की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, डेविडसन 73 गेंद में दो चौके की मदद से 53 रन बना सकीं। सोफिया एक्लेस्टोन 19 गेंद में तीन चौके की मदद से 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने दो–दो विकेट लिए। वहीं, अमनजोत कौर और श्री चरणी को एक–एक विकेट मिला।

भारत की पारी

259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही। स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी निभाई। मंधाना 24 गेंद में पांच चौके की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, प्रतिका ने फिर दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। प्रतिका 51 गेंद में तीन चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हरलीन और कप्तान हरमनप्रीत भी कुछ खास नहीं कर सकीं। हरलीन 44 गेंद में चार चौके की मदद से 27 रन बनाकर और हरमनप्रीत 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। फिर जेमिमा रॉड्रिग्स ने दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी हुई। जेमिमा 54 गेंद में पांच चौके की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुईं और अर्धशतक से चूक गईं। वहीं, ऋचा घोष ने 10 रन बनाए। दीप्ति ने फिर अमनजोत कौर के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। दीप्ति 64 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 62 रन और अमनजोत 14 गेंद में तीन चौके की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन को दो विकेट मिले। वहीं, लॉरेन बेल, एक्लेस्टोन और फाइलर को एक–एक विकेट मिला।